वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 276 | बुधवार 1 फरवरी 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

प्रदेश में अब तेज ठंड का अलर्ट

जयपुर में सीजन का सबसे घना कोहरा

फ्लाइट वापस दिल्ली भेजी, 60 फीसदी फसलें चौपट

जयपुर. कासं

राजस्थान में दो दिन हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के बाद आज पूरा प्रदेश घने कोहरे की चपेट में आ गया। कोहरे का असर बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में ज्यादा रहा। जयपुर में आज इस सीजन का सबसे ज्यादा घना कोहरा रहा। इसके कारण 50 मीटर दूर भी साफ नजर नहीं आया। कोहरे के कारण जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स देरी से पहुंचीं। अब फरवरी के पहले हफ्ते में तेज ठंड पड़ने के आसार हैं। कोहरे के साथ ही उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में आज सुबह सर्द हवा भी चली। इससे तापमान में बड़ी गिरावट हुई। सबसे ज्यादा ज्यादा असर बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और चूरू इलाकों में रहा। सर्द हवाओं के कारण यहां मिनिमम तापमान कल के मुकाबले आज 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। राजधानी जयपुर समेत कई शहरों में कोहरे का असर कल देर शाम से ही दिखने लगा। रात में कोहरे के कारण भी विजिबिलिटी कम हो गई थी और ठंडी हवा भी चलने लगी थी। जयपुर के अलावा सीकर, झुंझुनूं, गंगानगर, चूरू, हनुमानगढ़, अलवर में भी देर रात से ही कोहरा छाने लगा।

देरी से उड़ी कई फ्लाइट्स, दिल्ली से आई फ्लाइट वापस भेजी

घने कोहरे की वजह से जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का संचालन भी बाधित हुआ। मौसम खराब होने की वजह से सुबह 6 से 9:30 बजे तक 15 से अधिक उड़ानों पर इसका असर रहा। जयपुर से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की उड़ान भी दो घंटे डिले हुई। उदयपुर की फ्लाइट भी एक घंटे लेट हुई। वहीं जैसलमेर जाने वाली उड़ान को रद्द कर दिया गया है। अलायंस एयरलाइन की दिल्ली से जयपुर आने वाली फ्लाइट संख्या 9 आई 843 को 45 मिनट चक्कर लगाने के बाद पुनःदिल्ली भेज दिया। ये फ्लाइट सुबह 8.30 बजे जयपुर आती है। इसके अलावा जयपुर से दुबई जाने वाली फ्लाइट को भी देरी से रवाना किया।

जयपुर में 60 फीसदी तक फसल चौपट

राजस्थान में पिछले दिनों पड़ी कड़ाके की सर्दी से जयपुर समेत कई जिलों में किसानों को नुकसान हुआ। तापमान माइनस या जमाव बिंदु से नीचे जाने के कारण फसलों पर पाला पड़ गया। जयपुर जिले की 22 तहसीलों से आई रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली रोड पर मौसम की मार सबसे ज्यादा पड़ी है। यहां फसलें 60 फीसदी से ज्यादा तक खराब हो गईं। पटवार मंडलों से जिला प्रशासन को मिली एक रिपोर्ट के मुताबिक विराटनगर, कोटपूतली, शाहपुरा, आमेर एरिया में रबि की फसल के साथ ही सीजन में उगाई गई सब्जियां भी 60 फीसदी तक खराब हुई। पावटा तहसील के गांवों में गेंहू-चने की 30 फीसदी, जौ की 50 और सरसों, बाड़ी की फसलों को 80 फीसदी से ज्यादा खराब हुई है। गौरतलब है कि 3 जनवरी से 8 जनवरी और 14 से 19 जनवरी तक प्रदेश में जबरदस्त शीतलहर और गलनभरी सर्दी का दौर चला था। इस दौरान जयपुर के जोबनेर एरिया में 8 दिन पारा माइनस यानी जमाव बिंदु से भी नीचे रहा था।

रवीन्द्र मंच पर 30 कलाकारों ने प्रस्तुत किया नाटक

गोपाल आचार्य के निर्देशन में भोपा भैंरूनाथ नाटक का मंचन, खूब मिली तालियां

जयपुर. कासं। रवीन्द्र मंच के मुख्य सभागार में भीलवाड़ा के रसधारा सांस्कृतिक संस्थान की ओर से भोपा भैंरूनाथ नाटक का मंचन किया गया। नाटक का निर्देशन गोपाल आचार्य ने किया। भोपा भैंरूनाथ, जटिल और अनसुलझी, अनगिनत रंगो, ध्वनियों और बहुरंगी शेड्स का नाटक है। इसमें कंकू नामक सामान्य विवाहिता के चरित्र के माध्यम से स्त्री के आत्मबल के क्षरण और उसके पुनर्वास की कथा को बयां किया गया है। नाटक में 30 से अधिक कलाकारों ने अभिनय से बताया कि शहर से आया हुआ कंकू का पति बंशी और ससुराल के लोग बेवजह उससे नाखुश रहते हैं। पति-पत्नि की लड़ाई में बंशी वापस शहर और कंकू पीहर चली जाती है। बंशी का रवैया न केवल अपमानजनक होता है बल्कि उसे घर से बाहर कर देने की धौंस भी देता है। ससुराल का कोई भी सदस्य उससे ठीक से पेश नहीं आता। धीरे-धीरे कंकू के प्रति उसके पति, घर, परिवार व समाज का दुर्व्यवहार बढ़ता ही जाता है। बंशी, कंकु को प्रताड़ित कर बांज, डायन होने के आरोप भी लगाता है। अपमान से परेशान होकर कंकू मनोवैज्ञानिक विक्षोभ के अंधेरों में घिर जाती है।

जयपुर के स्वप्निल जैन के शो को मिला अवॉर्ड

ईंस्टा मिलियनेयर को मोस्ट पॉपुलर शो ऑफ द ईयर का अवॉर्ड, स्वप्निल ने लिखा है शो

जयपुर. कासं। इंडिया ऑडियो समिट एंड अवॉर्ड्स 2023 में पॉकेट एम एम के शो इंस्टा मिलियनेयर को मोस्ट पॉपुलर शो ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला है। इस शो को जयपुर के स्वप्निल जैन ने लिखा है। शो की कहानी एक गरीब लड़के के रातोंरात अमीर हो जाने के इर्द–गिर्द घूमती है। पैसे के पीछे पागल इस दुनिया में कैसे पैसा होते हुए नायक संयम बनाए रखता है और हर किसी की अपने अनूठे अंदाज में मदद करता है। इस शो को पॉकेट एफ एम के ऐप पर अभी तक 15 करोड़ से ज्यादा लोग सुन चुके है। पॉकेट एफएम ऐप अपने तरह का एक ऑडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म है, जहां हर कोई बहुत सारी कहानियां सुन सकता है। दस लाख घंटे से ज्यादा की कहानियां पॉकेट एफएम ऐप के पास उपलब्ध है, इसके अलावा यहां सेल्फ हेल्प बुक, बॉयोग्राफी और क्लासिक्स भी सुनने को मिलते है।

ऐश्वर्या कॉलेज में दो दिवसीय अभिव्यक्ति कार्यक्रम संपन्न: सांस्कृतिक प्रतिभाओं को मिला सम्मान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

दो दिन मावठ की बारिश के बाद चमकी धूप ने वातावरण में घुली ठंडक को थोड़ा बहुत कम किया लेकिन माहौल में गर्माहट पैदा हुई स्कूल कॉलेज के छात्र छात्राओं की सांकृतिक धमाल और मस्ती से। मौका था लेकसिटी में न्यू आरटीओ रोड स्थित ऐश्वर्या कॉलेज में जारी दो दिवसीय अभिव्यक्ति कार्यक्रम की एक से बढ़कर एक आनन्ददाई प्रस्तुतियों की बानगी का। जहां दूसरे दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि नीता अय्यर (चेयरमेन, एफडब्ल्युओ) ने कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन कर किया। इसके बाद गणपति वंदना हुई। अभिव्यक्ति कार्यक्रम के दूसरे दिन पतंगबाजी, मिमिक्री, मोनो एक्टिंग, स्टेंडअप कॉमेडी, उदयपुर हेरीटेज क्विज, टर्बन टाइंग, मैं भी बहुरुपिया, फैंसी ड्रैस, आशु भाषण, मेंहदी, ग्रुप माइम सहित अन्य प्रतियोगिताएं हुईं। ऐश्वर्या कॉलेज सीएमडी डॉ. सीमा सिंह ने बताया कि इंटर कॉलेज/ इंटर स्कूल स्तर पर आयोजित हुई सभी प्रतियोगिताओं के निर्णायक वरिष्ठ शिक्षाविद और कलाधर्मी श्री निवासन अय्यर और वरिष्ठ पत्रकार राकेश शर्मा 'राजदीप' थे। दोनों ही दिन कार्यक्रम में मंच संचालन आकाशवाणी से जुड़ी कलाकार ऋचा पानेरी ने किया। सभी कार्यक्रम की परिकल्पना और नाट्य निर्देशन ख्यात रंगकर्मी विलास जानवे द्वारा किया गया।

विजेता हुए पुरस्कृत

पेंटिंग प्रतियोगिता में हर्षवर्धन सिंह प्रथम एवं सुरभी गर्ग द्वितीय, युगल गायन में ऐश्वर्य एवं देशराज प्रथम और कपिल- नीतिन की जोड़ी द्वितीय स्थान पर रहीं। रंगाली प्रतियोगिता में निशिका कुमावत एण्ड ग्रुप प्रथम एवं खुशी चौबीसा द्वितीय स्थान पर रही। काव्य पाठ में जैनब टेलर प्रथम, शैरोन मर्फी द्वितीय तथा हेमलता पारीक तृतीय स्थान पर रही। कैरिकेचर प्रतियोगिता में गर्वित जिंगर प्रथम एवं गोविंदा गर्ग द्वितीय स्थान पर रहे। केलिग्राफी में हेमलता कुमारी प्रथम और तरुण असोदा द्वितीय, क्विज ऑन हेरीटेज में हरीशचंद्र सिंह प्रथम तथा भूपेंद्र सिंह द्वितीय, कहानी लेखन में भगवानाराम प्रथम तथा संदीप एवं चालाकदान चारण द्वितीय स्थान पर रहे। सेल्फी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर धर्मेंद्र पाटीदार, धीरज खटीक द्वितीय एवं प्रवीण चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेताओं को समापन अवसर पर अतिथियों ने प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बता दें, कार्यक्रम को सफल बनाने की सभी व्यवस्थाओं का जिम्मा कॉलेज वोलेंटियर्स मानसी पारीक, ईशा चौहान, गोविंदा गर्ग और जैनब बोहरा ने बखूबी निभाया। समापन अवसर पर ख्यात रंगकर्मी किरण जानवे, ऐश्वर्या इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड आईटी डायरेक्टर डॉ. अनिता भाटी, ऐश्वर्या टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. राशी माथुर, प्रशासक और युवा रंगकर्मी मनीष शर्मा, मीडिया मैनेजमेंट अधिकारी महेंद्र देवासी सहित समूचा स्टाफ मौजूद था।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'
मोबाइल:9829050939

पन्द्रह दिवसीय विरागोदय महामहोत्सव आज से होगा प्रारम्भ, जैन साधुओं का महाकुंभ

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

पथरिया, मध्य प्रदेश । परम पूज्य गणाचार्य श्री विराग सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में विरागोदय तीर्थ महामहोत्सव का भव्य आगाज मंगलवार से प्रारंभ हुआ। गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य आचार्य श्री विभव सागर जी के साथ भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी सहित मुनि श्री विहर्ष सागर, मुनि विशोक सागर, मुनि विभंजन सागर, मुनि विनिश्चल सागर, मुनि संस्कार सागर समेत 80 मुनिराज एवं आर्यिका माता जी का मंगल आगमन हुआ । आदिनाथ चौबीसी मंदिर से भव्य आगवानी शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जिसमें डीजे, बैंड पार्टी, महिला पुरूष दिव्यघोष, धार्मिक परिवेश में बालक बालिका मंडल समेत हजारों की संख्या मे बाहर से पधारे हुए श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड पडा। घर घर स्वागत पाद प्रक्षालन के साथ श्री पारसनाथ जैन बड़ा मंदिर में विराजमान आचार्य श्री विराग सागर जी महाराज की परिक्रमा कर नमोस्तु निवेदित किया। जयघोष से सारा आकाश गुंजायमान था।

धन का सदुपयोग करें ये गौशाला पुण्य वर्धन का साधन है : मुनि श्री अभय सागर जी महाराज

अशोक नगर गौशाला में मुनि संघ ने किया भव्य प्रवेश

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। दया को धर्म का मूल कहा गया है मूल अर्थात जड़ दया धर्म की जड़े गहरी होना चाहिए जीव दया के प्रति हम बहुत कुछ तो नहीं कर सकते आशीर्वाद ही दें सकते हैं आप लोग गौशाला के माध्यम से जीव दया के क्षेत्र में बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं ये बहुत खुशी की बात है। अशोक नगर गौशाला कि प्रसिद्धि भी बहुत है। आपकी गौशाला को सरकार ने भी सम्मानित किया है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से ये जो जीव दया का उपक्रम दयोदय गौशाला चल रही है। इसे पुण्य वर्धन का साधन कहा गया है उक्त आश्य केउद्गार अशोक नगर गौसेवा केन्द्र दयोदय गौशाला में धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य निर्यापक संत मुनि श्री अभयसागरजी महाराज ने व्यक्त किए। आज सुबह इमला ग्राम से पद विहार करते हुए मुनि श्री अभयसागरजी महाराज, मुनिश्री प्रभातसागर जी, मुनि श्री निरिह सागरजी महाराज ससंघ का श्री विद्यासागर दयोदय गौशाला में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

उल्लास के मंच पर संवाद और अभिनय की अभिव्यक्ति

जयपुर. शाबाश इंडिया

बनीपार्क स्थित एसएसजी पारीक पीजी. कॉलेज व सम्बद्ध शिक्षण संस्थान में ''उल्लास 2023'' कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार को लघु नाट्य प्रस्तुतियों, साइंस मॉडल्स और प्रश्नोत्तरी से 250 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सचिव लक्ष्मीकांत पारीक ने बताया कि इन प्रतियोगिताओ के अतिथि व निर्णायक वरिष्ठ रंगकर्मी रामसहाय पारीक, शेखर शेष, अभिनव राकेश, अनिल मारवाड़ी, वरिष्ठ पत्रकार जितेन्द्र सिंह शेखावत, आई.ए.एस हरसहाय मीणा, एडवोकेट डॉ. अखिल शुक्ला, सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारी डॉ. विजय पारीक, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी रामगोपाल पारीक थे। साइंस के वर्किंग और नॉन वर्किंग लगभग 70 मॉडल्स की ओर से **''साइंस तिलिस्म''** में जल संरक्षण, बिजली बचाओ और लाइफ साइंस से दिखाया कल। वहीं दूसरी ओर नारी शक्ति, सड़क सुरक्षा जैसे सामाजिक मुद्दों पर 10 अहम लघु नाटक का मंचन किया गया जो कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहे। उन्होंने बताया कि अगली पारी में 4 राउंडस में क्विज कॉम्पिटिशन के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी जनरल नॉलेज का प्रदर्शन दिया। इन गतिविधियों को देखकर पैनल ने प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उम्र करियर चुनने की है ऐसे में यह प्रतियोगिताएं प्रतिभाएं सामने लाकर छात्रों के विकास में एक महत्वपूर्ण कड़ी बनती है। कार्यक्रम में पारीक कॉलेज प्रबंधकारिणी समिति के सभी सदस्य मौजूद रहे।

प्रसिद्ध समाजसेवी तुलसी त्रिलोकानी ने सामाजिक व धार्मिक सेवा कर सादगी से जन्मदिन मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रसिद्ध समाज सेवी तुलसी त्रिलोकानी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर इष्ट जनों व भा. ज. पा. महिला मोर्चा, मुरलीपुरा मंडल के संग कई सामाजिक सरोकार व धार्मिक अनुष्ठान के कार्य किये। जन्मदिन की शुरूआत प्रातः शिव मंदिर, मामा की होटल में प्रसादी का भोग लगाकर आमजन में वितरित किया। तत्पश्चात अमरापुरा धाम में सपरिवार दर्शन कर संत श्री मोनू साईं से आशीर्वाद प्राप्त किया व राजापार्क यज्ञशाला में यज्ञ किया। उक्त अवसर पर भा. ज. पा मुरलीपुरा महिला मोर्चा से अध्यक्ष- ममता शर्मा, रेखा जैन, कविता गंगवानी, सुनीता राठौड़,कशिश जैन त्रिलोकानी, मालवी त्रिलोकानी, दौलत त्रिलोकानी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा दरिया भेट की

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा सामाजिक कार्यों की कड़ी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय गणपतपुरा सांगानेर जयपुर में दरिया भेंट की। संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप संगठन मंत्री सुनील सोगानी एवं विशूतोष चाँदवाड़ उपस्थित थे।

कैडेट्स ने जानी एनसीसी की बारीकियां

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित सेन्ट सोल्जर पब्लिक स्कूल में सोमवार को राजस्थान बटालियन प्रथम के कमान अधिकारी जितेन्द्र सिंह मलिक ने एनसीसी कैडेट्स परेड का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने कैडेट्स से एनसीसी के दायित्व, यूनिफार्म, शारीरिक दक्षता, ड्रिल, मैप, आर्मी, भर्ती के लिए योग्यता और टर्न आउट पर चर्चा की और कैडेट्स को भविष्य के लिए दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र व विभिन्न राज्य सरकारों ने एनसीसी प्रमाण पत्र धारकों को दिए जाने वाले बोनस अंक व प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी दी। कमान अधिकारी ने विद्यालय प्राचार्या सोनल शर्मा, एनसीसी अधिकारी उमेश शर्मा व सीनियर कैडेट्स शिवांगी शुक्ला से चर्चा की। अंत में प्राचार्या ने सभी का आभार जताया।

वेद ज्ञान

ईश्वर से किया निवदेन ही प्रार्थना

ईश्वर से किसी कामना की पूर्ति के लिए प्रगाढ़ विश्वास के साथ किया गया निवेदन प्रार्थना कहलाता है। इस प्रकार प्रार्थना धार्मिक भावना से अनुप्राणित हृदय की करुण पुकार है, जो ईश्वर से सीधा संबंध स्थापित कर हमारा मनोरथ पूर्ण करने में सहायक होती है। प्रार्थना के समय दोनों हाथ उठाकर अंगूठों को भौंहों के मध्य स्थित आज्ञाचक्र पर स्पर्श कराने और शीश को झुकाने से आध्यात्मिक ऊर्जा का सृजन होता है और शरणागत भाव जाग्रत होता है। मुख्यतः प्रार्थना लौकिक सुख की कामना, आध्यात्मिक उन्नति अथवा सार्वजनिक कल्याण की भावना से की जाती है। महात्मा गांधी की दृष्टि में प्रार्थना आत्मा की आध्यात्मिक भूख है। प्रार्थना सार्वभौमिक है। यह व्यक्तिगत हो सकती है और सामूहिक भी। शब्दों द्वारा अभिव्यक्त हो सकती है और मौन भी। प्रार्थना हृदय की पुकार है और अनंत शक्ति का स्रोत भी। चिकित्सा के दौरान उपचार असफल रहने की निराशाजनक स्थिति में रोगी को दवा के साथ दुआ की भी आवश्यकता पड़ती है। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव से आत्मबल में वृद्धि होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी। अनेक लोगों की ऐसी धारणा है कि जीवन की अधिकतर घटनाएं प्रारब्धजन्य हैं। प्रार्थना की सफलता व्यक्ति के आध्यात्मिक स्तर पर निर्भर है। प्रारब्ध की तीव्रता के सापेक्ष प्रार्थना के बलवती होने पर ही प्रार्थना फलीभूत होती है। एक विद्वान का सुझाव है-हमें प्रार्थना करते वक्त ईश्वर पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, न कि अपनी परेशानियों या मुसीबत पर। तन्मयतापूर्वक और बेसुध होकर भाव-प्रवाह में बहते हुए हृदय की गहराई से की गई प्रार्थना कभी बेकार नहीं जाती, परंतु आत्मसंयम की कमी, माता-पिता व गुरुजन के अनादर, किसी को क्षति पहुंचाने की नीयत या अतार्किक होने की दशा में प्रार्थना निष्फल हो जाती है। प्रभु के प्रेमी भक्तगण भगवान से सांसारिक सुख की भीख न मांगकर एकमात्र उनकी सहज कृपा की ही याचना करते हैं। भक्त प्रह्लाद ने भगवान से यही प्रार्थना की थी कि उनके हृदय में कभी कुछ मांगने की इच्छा ही न हो। विनय पत्रिका में गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं इस नश्वर जगत में कामनाओं की मृग-मरीचिका के पीछे भटकते जीवन बीत गया।

संपादकीय

सुविधा के लिए उजड़ते पहाड़, बड़ी आफत को दावत...

उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बीते सात सालों में एक सौ तीस से ज्यादा बार छोटे भूकंप आए हैं। इन पहाड़ों पर जल विद्युत और रेल परियोजनाओं ने बड़ा नुकसान पहुंचाया है। पर्यावरणविद और भू-वैज्ञानिक हिदायतें देते रहे हैं कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की अविरल धारा बाधित हुई, तो गंगा तो अस्तित्व खोएगी ही, हिमालय की अन्य नदियां भी अस्तित्व के संकट से जूझेंगी। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के लिए जल विद्युत संयंत्रों और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालयी क्षेत्र में रेल चलाने और छोटी नदियों को बड़ी नदियों में मिलाने के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं में जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है। इस आधुनिक औद्योगिक विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय दरकने लगा है, जिन पर हजारों सालों से बसे लोग अपनी ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-

यापन और वहां रहने वाले जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। अथर्ववेद के ''पृथ्वी-सूक्त'' में अनेक प्रार्थनाएं हैं। यह सूक्त राष्ट्रीय अवधारणा और 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को विकसित, पोषित और फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश करता है। मगर हमने विकास के बहाने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है। जब हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र ने धरती को हिलाकर नाजुक बना दिया और घरों में दरारें पड़ने के साथ आधारतल घंस रहा है, तब लोगों को जीवन-रक्षा से जुड़ी सच्चाइयों को क्यों छिपाया जा रहा है? स्थानीय लोगों के विरोध के बावजूद हठपूर्वक पर्यावरण के विपरीत जिन विकास योजनाओं को चुना है, उनके चलते अगर लोग अपने गांव और आजीविका के साधनों को खो रहे हैं, तो ऐसी परियोजनाएं किसलिए और किसके लिए? अब रेल और बिजली के विकास से जुड़ी कंपनियां दावा कर रही हैं कि धरती निमार्णाधीन परियोजनाओं से नहीं धंस रही है, लेकिन किन कारणों से धंस रही है, इसका उनके पास कोई उत्तर नहीं है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन, जो इस क्षेत्र में तपोवन विष्णुगढ़ जल विद्युत परियोजनाओं का निर्माण कर रहा है, उसकी बिजली उत्पादक कंपनी ने पत्र लिखकर दावा किया है कि इस क्षेत्र की जमीन धंसने में उसकी परियोजनाओं की कोई भूमिका नहीं है। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ रुपए की जल विद्युत परियोजनाएं निमार्णाधीन हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है। नदियों पर बांध निर्माण के लिए गहरे गड्ढे खोदकर खंभे और दीवारें खड़ी की जाती हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जाति का चक्कर!

सबसे खास बात यह कि चुनाव के सभी पदों के लिए योग्यता और चुनाव लड़ने के नियम अलग-अलग हैं। लेकिन, एक नियम जो देश के सभी राज्यों में लगभग एक जैसा है, वह यह कि आप किस जाति के हैं और जिस क्षेत्र से आप चुनाव लड़ना चाहते हैं, उस क्षेत्र में आपकी जाति की कितनी आबादी है। आप कितने ही बड़े समाजसेवी, कितने ही बड़े ज्ञानी, कितने ही बड़े जनसमर्थन वाले क्यों न हों यदि आप जातिगत जनसंख्या में कम हैं, तो आप चुनाव भले लड़ लें, जीतकर किसी सदन में नहीं पहुंच सकते। **जातीय प्रतिनिधित्व के पीछे उपेक्षित, उत्पीड़ित, गरीब और पिछड़ों की समानता की सोचः** इसे देश का दुर्भाग्य कहें या सौभाग्य, ऐसा ही हर चुनाव में होता है। भारतीय संविधान में जातीय आधार पर प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान है और यह व्यवस्था इसलिए जोड़ी गई थी, ताकि समाज के उपेक्षित, उत्पीड़ित, गरीब और पिछड़े वर्ग को भी आगे बढ़ने का समान अवसर मिले। ऐसा इसलिए भी किया गया, क्योंकि हमारे संविधान विशेषज्ञों का मानना था कि जब तक जमीन समतल नहीं होगी, उसके सभी कोनों में आसानी से पानी नहीं जा सकेगा और जब फसलों को सामान्य रूप से बराबर पानी नहीं मिलेगा, तो जमीन के उस कोने से किसान बराबर की फसल की उम्मीद कैसे करेगा? **आजादी के 75 वर्ष बाद भी लक्ष्य पूरा कर पाने में संदेह कायमः** संविधान निमार्ताओं की सोच यह भी थी कि आजादी के कुछ वर्ष बाद देश की सारी जमीन एक जैसी समतल हो जाएगी और फिर उसमें फसल एक जैसी उगने लगेगी। फिर परंपरावादी जातीय कट्टरता का जो जहर भारतीय समाज में आदिकाल से फैला है, वह स्वतः खत्म हो जाएगा। लेकिन, क्या आजादी के 75 वर्ष बाद भी इस लक्ष्य को हमारा देश प्राप्त कर पाया है? आइए, इस पर विचार करते हैं। भारत में जनगणना की शुरूआत औपनिवेशिक शासन के दौरान वर्ष 1881 में हुई थी। जातिगत जनगणना का इतिहास यदि हम जानना चाहते हैं तो वर्ष 1931 तक भारत में जातिगत जनगणना होती थी। वर्ष 1941 में जनगणना के समय जाति आधारित डेटा जुटाया जरूर गया था, लेकिन प्रकाशित नहीं किया गया। वर्ष 1951 से 2011 तक की जनगणना में हर बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का डेटा दिया गया, लेकिन ओबीसी और दूसरी जातियों का नहीं। देश में लंबे समय से जाति आधारित जनगणना की मांग की जा रही थी और अब बिहार में इसे लेकर न केवल सहमति बन गई है, बल्कि इसकी प्रक्रिया की शुरूआत भी हो गई है। दरअसल, बिहार में जातीय जनगणना को लेकर ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई थी, जिसमें जाति आधारित जनगणना को लेकर फैसला लिया गया । अब सर्वसम्मति के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जातिगत जनगणना को मंजूरी देकर इसकी शुरूआत करा दी है। बिहार सरकार अपने खर्चे पर जनगणना करवा रही है। जातीय जनगणना की मंजूरी को इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि देश में वर्षों से कभी भी जाति के आधार पर जनसंख्या की गणना नहीं की गई है। लेकिन, इसकी मांग अरसे से हो रही थी। बता दें कि जातीय जनगणना आजाद भारत में एक बार भी नहीं हुई है।

विशाल न्यूरो मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति शिविर का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर प्राइड, डी.के. गुप्ता मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट एवं दीप न्यूरो मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति हॉस्पिटल के सौजन्य से श्री रैगर धर्मशाला रेगरो का मोहल्ला बाबा रामदेव मंदिर के पास सीताबाड़ी जयपुर वार्ड नंबर 31 में विशाल न्यूरो मनोचिकित्सा एवं नशा मुक्ति शिविर का आयोजन प्रातः किया गया।शिविर में मानसिक रोगों की पहचान डिप्रेशन, टेंशन, स्ट्रेस, आत्महत्या के विचार घबराहट आदि की पहचान कर रोगी का उपचार एवं परामर्श दिया गया, नशे की लत शराब गांजा भांग स्मैक आदि नशे के बारे में परामर्श देकर छुटकारे के लिए परामर्श एवं उपचार किया जाएगा, नींद के रोग, बच्चों में बुद्धि की कमी, ज़िद गुस्सा मोबाइल में इंटरनेट गेम की लत से छुटकारा के बारे में परामर्श एवं उपचार आदि का परामर्श निशुल्क दिया गया। चिकित्सा शिविर के संयोजक डॉ अनिल गुप्ता ने बताया कि शिविर में डॉक्टर नीरज गढ़वाल, डॉक्टर ओपी बंसल अपनी सेवाए दी। यह कार्यक्रम दिनेश अमन पूर्व चेयरमैन पार्षद नगर निगम जयपुर, राजेश सालोदिया पार्षद प्रत्याशी के सौजन्य से आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय महिला शाखा अध्यक्ष का ब्यावर शाखा ने किया स्वागत

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री अखिल भारतीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्षा पुष्पा गोखरू एवं अन्य पदाधिकारियों के ब्यावर आगमन पर अल्पसंख्यक योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र ओस्तवाल के नेतृत्व में पारम्परिक तरीके से स्वागत किया गया ।अशोक पालड़ेचा के अनुसार जैन कांफ्रेस की ब्यावर शाखा द्वारा श्री मुक्तामिश्री भवन में सदस्यों की एक मीटिंग का आयोजन किया गया । इस अवसर पर जैन कान्फ्रेस की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्षा पुष्पा गोखरू, अल्पसंख्यक योजना की राष्ट्रीय महिला महामंत्री नयना सिशोदिया, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष - अल्पसंख्यक योजना विशाल बोहरा, अल्पसंख्यक योजना की राष्ट्रीय महिला कोषाध्यक्षा विनीता वागरेचा, वैयावाच्च योजना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र गोखरू, अल्पसंख्यक योजना के राष्ट्रीय महामंत्री अर्पित छाजेड आदि ने जैन कांफ्रेस की विभिन्न योजनाओं एवम क्रियाकलापों पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में जैन कान्फ्रेस एवम उसकी योजनाओं से जुड़ने तथा अन्य को भी जोड़ने का आव्हान किया। सभा में प्रांतीय युवा उपाध्यक्ष रुपेश कोठारी, पारसमल श्रीमाल ने ब्यावर शाखा के कार्यों एवं भविष्य की योजनाओं एवं समस्याओ के बारे में अवगत करवाया ! अशोक पाडलेचा ने ब्यावर शाखा की और से ब्यावर में मतदान केंद्र बनाने, ब्यावर के आस पास में साधू संतों हेतु विहार धाम बनवाने, ब्यावर एवम मारवाड़ क्षेत्र को उचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने, सक्रिय एवं ऊर्जावान युवाओं को पदस्थापित करने सम्बन्धित मांगे रखी। सभा में मनोज सांखला, मंजू बाफना, रीना दक, सुरेखा नाहर, राजेन्द्र मुणोत, वनिता छल्लानी, रौनक श्रीश्रीमाल, संजय नाहर, सन्तोष नाहटा, प्रकाश मकाना, चन्द्रा मुणोत, राकेश सिशोदिया, पूनमचंद भंसाली, सज्जन गादिया, राहुल बाबेल, सुरेन्द्र रांका, पंकज सुराना, उत्तम भंडारी, कपूर चंद गादीया, विनय चंद छल्लानी, कंवर लाल नाहर आदि सदस्य उपस्थित थे ।

हर घर घर चरखा छाएगा, इंडिया भारत कहलाएगाः मुनि श्री निरंजन सागर

कुण्डलपुर. शाबाश इंडिया

सुप्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज ने महात्मा गांधीजी की पुण्यतिथि पर प्रवचन देते हुए कहा कि भारत आज तक अपने अस्तित्व को नहीं पा पाया है , किसी भी देश की पहचान का प्रमुख अंग उसका नाम है ,उसकी स्वयं की भाषा है, उसकी स्वयं की आहार शैली, उसकी अपनी वेशभूषा है ,उसकी अपनी शिक्षा पद्धति है ,उसकी अपनी औषध विद्या है , परंतु आज हम सभी आवश्यकताओं पर विदेशों पर निर्भर होते जा रहे, विदेशी वस्तु की गुणवत्ता उसके गुण धर्म आदि का विचार ना करते हुए एक आकर्षण वश उस ओर ध्यान न देकर एक अंधी दौड़ में दौड़े जा रहे हैं ।गांधी जी ने जो स्वप्न देखा था वह भारत प्रति भारत का स्वप्न है। घर हाथ हथकरघा और भारतीय पद्धति का रोजगार। उस के माध्यम से सत्य और अहिंसा की ऐसी नींव रखी जानी है जिसे कोई भी हिला ना सके।

आज का नवयुवक विदेशी जीवन शैली को अपनाने की होड़ में दौड़ रहा है ।यह अंत हीन दौड हमें हमारे संस्कारों से, हमारे देश से, हमारे धर्म से ,कोसों दूर करती जा रही है। आज का नवयुवक जो देश का भविष्य कहलाता है, स्वयं अपने भविष्य के बारे में चिंतन से रहित होकर मात्र वर्तमान की चकाचौंध भरी ऐसी जीवनशैली जी रहा है जिसका कोई ओर छोर नहीं है। उद्देश्य से भटका हुआ नवयुवक वर्ग ही भारत की वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या है जिससे मात्र गांधी जी के विचारों को अपनाकर ही हम इस विकट समस्या से मुक्ति पा सकते हैं। गांधीजी जैसा व्यक्तित्व कभी मरण को प्राप्त नहीं हो सकता है।गांधी जी आज भी भारत की आत्मा में बसे हुए हैं। वर्तमान में राष्ट्रहित चिंतक आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महामुनिराज ने इंडिया नहीं भारत बोलो, स्वदेशी रोजगार ,भारतीय भाषा, भारतीय वस्त्र शैली, भारतीय औषध विज्ञान ,भारतीय शिक्षा पद्धति, भारतीय कृषि का पुनरुत्थान आदि विषयों को अपने उपदेश का विषय बनाया और उनके प्रभावक राष्ट्र चिंतन से प्रभावित होकर एक बड़ा नवयुवक वर्ग उनके उपदेश को पूर्ण करने तत्पर हुआ जिसका परिणाम है पूणार्यु औषधालय ,प्रतिभास्थली विद्यापीठ, भाग्योदय चिकित्सालय, दयोदय गौशाला, श्रमदान हथकरघा केंद्र, शांति धारा दुग्ध योजना आदि प्रकल्प आज भारतीयता को जीवंत कर हमें पूर्ण स्वदेशीयता के साथ साथ सत्य और अहिंसा को पुनर्स्थापना करने में लगे हुए हैं। आज ऐसा लगता है वह दिन दूर नहीं जब गांधी जी का भारत अपनी खोई हुई पहचान पुनः पा जाएगा। **संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी**

Satish jain Akela
Chitrankan, jaipur
9829017551

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में लगा दिव्य समवशारण

भगवान शांतिनाथ का हुआ प्रथम आहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित दशहरे मैदान में चल रहे भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आज केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया गया समिति के संयोजक जिनेन्द्र जैन के अनुसार प्रातः काल नित्य नियम अभिषेक पूजन के उपरांत मुनि श्री शांतिनाथ की आहार चर्या हुई जिसमे समाज श्रेष्ठि रमेश को भगवान का प्रथम आहार दान का सौभाग्य मिला, उसके बाद भगवान शांतिनाथ का आहार मंत्रो के आलोक में अधिवासन, नयानोंमिलन, प्राण प्रतिष्ठा, सुरीमंत्र देना, केवलज्ञान क्रिया हुई । आयोजन समिति के अध्यक्ष कमलेश जैन बावड़ी के अनुसार भगवान के समवशरण को संबोधित करते हुए मुनी श्री ऊर्जयंत सागर जी ने कहा कि श्रावक व मुनि का धर्म पवित्र होना चाहिए। जो श्रावक मन वचन कर्म से पवित्र होकर जैन मुनि को आहार देता है, वही श्रावक कालांतर में परमात्मा में विलीन हो जाता है।उत्तम कर्म करने वाला मनुष्य ही भगवान को आहार दान दे सकता है, कुबेर द्वारा समवशरण की रचना की गयी, इसी के कारण भगवान को दिव्य ध्वनि हुई। समिति मंत्री बाबू लाल जैन ईटून्दा के अनुसार केवल ज्ञान कल्याणक महोत्सव में स्थानीय विधायक अशोक लाहोटी ने पधार के पूज्य उपाध्याय श्री से आशीर्वाद प्राप्त किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर

के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा

निःशुल्क मेडिकल कैम्प एवं नेत्र जांच शिविर

रविवार, 5 फरवरी 2023 **समय : प्रातः 10.00 बजे से 2.00 बजे तक**

स्थान : राजस्थान अस्पताल प्रांगण, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर

शिविर में निम्न रोगों के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध रहेंगी......

हृदय रोग विशेषज्ञ	हड्डी रोग विशेषज्ञ	नेत्र रोग विशेषज्ञ	डायबिटिज विशेषज्ञ
डॉ. कैलाश चन्द्रा	डॉ. जितेश जैन	डॉ. करिश्मा गोयल	डॉ. प्रियाश्री कटेवा
स्त्री रोग विशेषज्ञ	**जनरल फिजिशियन**	**कान, नाक, गला विशेषज्ञ**	
डॉ. प्रियंका शर्मा	डॉ. डी. के. जैन	डॉ. पंकज सिंह	

शिविर में उपलब्ध निःशुल्क जांचें

नोट : 1. जाँच करवाने हेतु खाली पेट आना उचित रहेगा। 2. रोगी अपने ईलाज संबंधित पूर्व रिपोर्ट व डॉ. की पर्ची साथ लेकर आवें।

- बीएमडी
- फाइब्रो स्कैन (प्रात: 10 से 12 बजे तक)
- लिपिड प्रोफाइल रैंडम शुगर
- पैप स्मीयर (केवल महिलाओं के लिए)
- मैमोग्राफी (केवल महिलाओं के लिए)
- ई.सी.जी. (कार्डियोलॉजिस्ट की सिफारिश पर)

मुख्य अतिथि ::
डॉ. निर्मल जी जैन
Member :
National Road Safety Council (NRSC)

दीप प्रज्जवलन कर्त्ता :
श्रीमान् सुभद्र जी पापड़ीवाल
संरक्षक सीतापुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन
संस्थापक अध्यक्ष यूनाइटेड कौंसिल ऑफ राजस्थान इंडस्ट्रीज

मुख्य समन्वयक	समन्वयक	समन्वयक	समन्वयक	संयोजक
यश कमल-संगीता अजमेरा	राकेश-रेणु संघी	कमल-मंजू ठोलिया	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल	नितेश - मीनू पाण्ड्या
9829067076	9950880055	9414062851	9414070596	9314263204

निवेदक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन, जयपुर

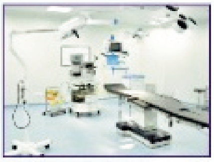

राजेश बड़जात्या अध्यक्ष	अनिल जैन IPS संस्थापक अध्यक्ष	यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष	पारस कुमार जैन कोषाध्यक्ष	निर्मल संघी महासचिव
महेन्द्र कुमार पाटनी वरिष्ठ परामर्शक	सुरेन्द्र कुमार पाण्ड्या परामर्शक	नविन सेन जैन परामर्शक	अतुल बिलाला पूर्व अध्यक्ष	

आयोजक :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष	अनिल-अनिता जैन कोषाध्यक्ष	अनिल-निशा संघी सचिव
सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संघी उपाध्यक्ष	महेन्द्र-सुनीता कासलीवाल उपाध्यक्ष	राजेश-रितु छाबड़ा संगठन सचिव
राजेश-रानी पाटनी संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ. अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव

कार्यकारिणी सदस्य ::
अनिल-ज्योति जैन चौधरी
डॉ अनुपम-विनीता जैन
सपन-रजनी छाबड़ा
नितेश-मीनू पाण्ड्या

विशेष आमंत्रित ::
अशोक-अर्चना पाटनी
अशोक सेठी

विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया के लिए यात्रियों का जत्था गाजेबाजे के साथ रवाना

राष्ट्र सन्त गणाचार्य को अभिनन्दन पत्र करेंगे भेंट। युग प्रतिक्रमण, यतिसम्मेलन, पंचकल्याणक महामहोत्सव। 350 दिगम्बर जैन सन्त होंगे शामिल

निवाई. शाबाश इंडिया। श्री विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया के लिए सैकडों यात्रियों समूह का जत्था मंगलवार को गाजेबाजे के साथ निवाई से रवाना हुआ। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि राष्ट्रीय सन्त गणाचार्य विराग सागर महाराज के सान्निध्य में आयोजित होने वाले 15 दिवसीय युग प्रतिक्रमण एवं यतिसम्मेलन एवं अन्तराष्ट्रीय पंचकल्याणक महोत्सव का महाकुंभ मे देश भर से लाखों श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है जिसमें निवाई से सेकडों श्रद्धालु मंगलवार को जयघोष के साथ रवाना हुए। विरागोदय तीर्थ क्षेत्र कमेटी के प्रतिनिधि विष्णु बोहरा ने बताया कि विरागोदय तीर्थ क्षेत्र पथरिया मध्यप्रदेश में महोत्सव के दौरान जैन समाज के श्रद्धालु गणाचार्य विराग सागर महाराज के दिक्षित करीबन 350 दिगम्बर जैन सन्त पहुंच रहे हैं। इस दौरान निवाई से सैकडों श्रद्धालुओं का एक जत्था समाजसेवी विष्णु बोहरा के नेतृत्व में मंगलवार को गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ससंध से आशीर्वाद प्राप्त कर रवाना हुए जिसमें अनेक श्रावक एवं श्राविकाएं सम्मिलित हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

हर पल करें परमात्मा का ध्यान

सद्गुरू के चरणों में सभी समस्याओं का समाधानः आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज

जीवन में सावधानी हटने से परिवार, समाज व राष्ट्र हो रहा दुर्घटना का शिकार

स्वामी श्रीरामचरण महाप्रभु के 303वें प्राकट्य महोत्सव के तहत विराट आध्यात्मिक सत्संग का छठा दिवस

सुनील पाटनी.शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। जीवन में सभी समस्याओं का समाधान गुरूचरणों का ध्यान है। कोई भी समस्या आए तो भगवान को याद करों व सद्गुरू का ध्यान करों। हम जिस परमात्मा को याद करते है उसका ध्यान करना है। वह परमात्मा 24 घंटे हमारा ध्यान रखता है। एक क्षण भी उसका ध्यान हट गया तो प्रलय हो जाएगा। ये विचार अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के पीठाधीश्वर आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने मंगलवार को स्वामी श्रीरामचरणजी महाप्रभु के 303वें प्राक्ट्य दिवस के अवसर पर माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में दस दिवसीय विराट आध्यात्मिक सत्संग **''राष्ट्र पर्व से लेकर राम पर्व तक''** के छठे दिन व्यक्त किए। आचार्यश्री ने कहा सड़क पर वाहन चलाते समय ध्यान हटते ही खुद के साथ दूसरों को भी दुघर्टनाग्रस्त कर देते है और कई बार मृत्यु भी हो जाती है। सावधानी हटी ओर दुर्घटना घटी ये कथन रोड पर चलने वालों के लिए ही नहीं बल्कि जीवन में चलने वाले सभी पर लागू होता है। हमारे संत-महापुरूषों ने विचारों के बोर्ड लगा रखे है सावधान रहे अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने कहा कि आज सावधानी हटने से परिवार, समाज व राष्ट्र दुर्घटना का शिकार हो रहा है। घर में भी हर पल सावधानी रखो समस्या कभी भी किसी के द्वारा शुरू हो सकती पर संकल्प से समस्या को मिटाना है। इस सत्संग पर्व के माध्यम से राष्ट्र व समाज की समस्याओं पर चिंतन करते हुए सोए हुए व्यक्ति को जगाना है। जो भाग्यशाली होते है उन्हें ही इस तरह के आयोजन में शामिल होने का अवसर मिलता है। यहां बात भीड़ की नहीं भक्ति की है, संपति की नहीं संस्कृति की है। आचार्यश्री ने कहा कि भारत की पवित्र धरा पर जन्म लेना सार्थक करें। किसी भी वस्तु को उपलब्ध कराना सार्थकता नहीं बल्कि वह समाज व राष्ट्र के लिए कितनी उपयोगी है यह देखने का विषय है।

रामधर्म का संकल्प हमारी वैदिक परम्पराओं के अनुसार

आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने कहा कि स्वामीजी श्रीरामचरण महाप्रभु ने वाणीजी के माध्यम से व्यक्ति,समाज व राष्ट्र से अपील की है कि इनके लिए जो कर सकते है करना चाहिए। जीवन सुधरना चाहिए। जीवन सुधरेगा तो समाज व राष्ट्र भी सुधरेगा। वेद पुराणों के माध्यम से ऋषियों ने जो कहा वह आज उपर से जा रहा है। वैदिक व्याकरण का बोध लुप्तप्राय हो रहा है। महान संत श्रीरामचरणजी महाराज ने अपनी वाणी के माध्यम से वैदिक विचारों को व्यक्त किया है। रामधर्म का संकल्प हमारी वैदिक परम्पराओं के अनुसार दिया है।

परमात्मा के कोप से कोई नहीं बचा सकता

आचार्य श्रीरामदयालजी महाराज ने कहा कि परमात्मा का कोप होने पर कोई शक्ति नहीं बचा सकती। होलिका वरदान होने पर भी जल गई तो हिरण्यकश्यप का भी अंत हुआ। ईश्वरीय तत्व आत्मकल्याण के लिए है उनके साथ राजनीति नहीं होनी चाहिए। रामचरितमानस जलाने की घटाने का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे हालात देख वेदना होती है। ये रामचरितमानस को नहीं बल्कि राम के चरित्र को जलाया जा रहा है। इसका परिणाम भंयकर होगा। सनातन धर्म बहुत शक्तिशाली है। कंस, शिशुपाल, हिरण्य कश्यप जैसी कई आताताई शक्तियां आई लेकिन वह मिट गई पर परमात्मा व सनातनधर्म को मिटा नहीं पाए। अब हिरण्यकश्यप नाम कोई नहीं रखना चाहता पर प्रहलाद नाम सभी रखते हैं।

राम नाम जपने से सभी सुखों की प्राप्ति

आचार्यश्री ने कहा कि राम नाम जपना सभी सुख प्रदान करता है। वेद,पुराण व उपनिषदों की वाणी पवित्र है। अज्ञान की ग्रंथिया होने से काल,कर्म व ईश्वर को दोष लगाया जाता है। साधना,संयम व अनुशासन का अभाव ऐसी स्थितियां बनाता है। यह जैसे भी सुधरे सुधरना चाहिए इसके लिए प्रयास करें। श्रीरामचरणजी महाराज ने हमे जागृत करने के साथ चेताया है। परमार्थ के कार्य करने चाहिए। उनका भीलवाड़ा में जन्म नहीं प्राकट्य हुआ था। यहां उनका नहीं ज्ञान, संयम, चरित्र व भक्ति का प्राकट्य हुआ था। ये रामद्वारा इसका प्रमाण है। तप व धर्म का सूर्य कभी अस्त नहीं हो सकता। रामभक्ति की छत्रछाया से सब आलोकित हो रहे हैं।

उन्होंने ने कहा कि वेद व शास्त्रों का विरोध करने वाले नहीं जानते वह क्या कर रहे है। भगवान के स्वरूप माने जाने वाले ग्रंथों को जलाना किस तरह की राजनीति है। भगवान शक्ति इसलिए नहीं देता है कि शास्त्रों का नाश करें।